# Chapter 10: Bal Ram Katha - Lanka Mein Hanuman

प्रश्न- महेंद्र पर्वत की विषेशताएँ लिखें ।

उत्तर- महेंद्र पर्वत सुंदर था। वनस्पतियों और जीव - जन्तुंओं से भरा। उसका शिखर पथरीला था। नीचे घाटी में मनमोहक वृक्ष थे । लताएँ थीं।

प्रश्न- समुद्र के अंदर कौन सा पर्वत था?

उत्तर- समुद्र के अंदर मैनाक पर्वत था।

प्रश्न- मैनाक जलराशि को चीरकर ऊपर क्यों उठा?

उत्तर - मैनाक जलराशि को चीरकर ऊपर इसलिए उठा क्योंकि वह चाहता था कि हनुमान कुछ पल वहाँ विश्राम कर लें।

प्रश्न- हनुमान को उनकी शक्ति की याद दिलाने में कौन सफल हुए?

उत्तर - हनुमान को उनकी शक्ति की याद दिलाने में जामवंत सफल हुए ।

प्रश्न- हनुमान छलाँग कर किस पर्वत पर जा खड़े हुए?

उत्तर - हनुमान छलाँग कर महेंद्र पर्वत पर जा खड़े हुए ।

प्रश्न- हनुमान की आँखों में राम के प्रति कैसे भाव थे?

उत्तर - हनुमान की आँखों में राम के प्रति समर्पण के भाव थे ।

प्रश्न- हनुमान के छलाँग का आस पास के वातावरण पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर - हनुमान के छलाँग के दबाव से पर्वत दरक गया । वृक्ष काँपकर गिर गए । वन थर्रा गया । बड़ी - बड़ी चट्टानें नीचे लुढ़कने लगीं । पशु - पक्षी चीत्कार करते हुए भागे । कई स्थानों पर जल - श्रोत फूट पड़े । चट्टाने दहक उठीं ।

Aakash Institute

प्रश्न- हनुमान की परछाई समुद्र में कैसे दिखती थी?

उत्तर - हनुमान की परछाई समुद्र में नाव की तरह दिखती ।

प्रश्न- हनुमान मैनाक पर्वत पर क्यों नहीं रुके?

उत्तर- हनुमान मैनाक पर्वत पर इसलिए नहीं रुके क्योंकि हनुमान को मैनाक की सदिच्छा राम काज में बाधा लगी ।

प्रश्न- लंका जाते समय हनुमान जी और राक्षसी सिंहिका के बीच कैसा संघर्ष हुआ?

उत्तर- सिंहिका एक छाया राक्षसी थी । उसने जल में हनुमान की परछाई पकड़ ली । हनुमान अचानक आसमान में ठहर गए । क्रुद्ध हनुमान ने सिंहिका को मार डाला और आगे बढ़ गए ।

प्रश्न- सुरसा कौन थी और वह क्या चाहती थी?

उत्तर - सुरसा विराट शरीर वाली राक्षसी थी और वह हनुमान को खा जाना चाहती थी ।

प्रश्न- हनुमान किस प्रकार राक्षसी सुरसा को दे कर निकल आए?

उत्तर - हनुमान उसे चकमा देकर उसके मुँह में घुसकर निकल आए।

प्रश्न- हनुमान को क्या चिंता थी?

उत्तर - हनुमान को चिंता थी कि वह सीता को कैसे ढूँढेंगे और कैसे पहचानेंगे?

प्रश्न- लंका नगरी को ठीक से देखने के लिए हनुमान ने क्या किया?

उत्तर - लंका नगरी को ठीक से देखने के लिए हनुमान एक पहाड़ी पर चढ़ गए ।

प्रश्न- लंका नगरी का वर्णन कीजिए ।

उत्तर - लंका नगरी में चरों ओर वृक्ष, सुवासित उद्यान, भव्य भवन और हवा में लहराती संगीत धाराएँ थी।

Aakash Institute

प्रश्न- हनुमान लंका नगरी का एक - एक विवरण आँखों में क्यों भर लेना चाहते थे?

उत्तर - हनुमान लंका नगरी का एक - एक विवरण आँखों में भर लेना चाहते थे ताकि बाद में वह सीता की खोज में काम आए।

प्रश्न- नगर में प्रवेश करते ही हनुमान के सामने क्या प्रश्न था?

उत्तर - नगर में प्रवेश करते ही हनुमान के सामने पहला प्रश्न सीता का पता लगाना था ।

प्रश्न- रावण की रानी का क्या नाम था?

उत्तर- रावण की रानी का नाम मंदोदरी था।

प्रश्न- हनुमान ने सीता को कहाँ - कहाँ ढूँढा?

उत्तर- हनुमान ने सीता को रावण के राजमहल में, राक्षसों के घरों में और पशुशालाओं में ढूँढा।

प्रश्न- रावण के रथ का वर्णन कीजिए?

उत्तर - रावण का रथ स्वर्ण का था और रत्नों से सजा हुआ था।

प्रश्न- अशोक वाटिका में किसके वृक्ष थे?

उत्तर - अशोक वाटिका में अशोक के ऊँचे-ऊँचे वृक्ष थे।

प्रश्न- हनुमान ने राक्षसियों के बीच एक स्त्री को देखा। वह कौन थी और किस अवस्था में थी?

उत्तर - वह स्त्री सीता थी और वह उदास, दयनीय, दुर्बल और शोकग्रस्त थी।

प्रश्न- हनुमान जी ने सीताजी को किस प्रकार अपना परिचय दिया?

उत्तर- हनुमान जी ने सीताजी को अपने आप को श्रीराम का दास और किष्किंधा के वानरराज सुग्रीव का अनुचर बताया ।

Aakash Institute

प्रश्न- राक्षसी त्रिजटा ने सपने में क्या देखा?

उत्तर- त्रिजटा ने सपने में देखा कि पूरी लंका समुद्र में डूब गई है।

प्रश्न- राक्षसियों के जाने के बाद हनुमान सीता से मिलने के लिए पेड़ से क्यों नहीं उतरे?

उत्तर - राक्षसियों के जाने के बाद हनुमान सीता से मिलने के लिए पेड़ से इसलिए नहीं उतरे क्योंकि उन्हें लगा कि कहीं सीता उन्हें भी राक्षस या इसे मायावी चाल ना मान लें।

प्रश्न- हनुमान ने पेड़ पर बैठे - बैठे किसकी कथा प्रारंभ की?

उत्तर - हनुमान ने पेड़ बैठे - बैठे राम कथा प्रारंभ की।

प्रश्न- हनुमान ने राम की कौन सी वस्तु सीता को दी?

उत्तर - हनुमान ने राम की अँगूठी सीता को दी।

प्रश्न- हनुमान ने सीता के मन की शंका को कैसे दूर किया?

उत्तर - हनुमान ने पर्वत पर फेंके आभूषणों की याद दिलाकर सीता के मन के संदेह को दूर किया ।

प्रश्न-: किसने किससे कहा?

i. “कहीं सीता मुझे भी राक्षस न समझ लें । मायावी चाल मान लें ।”
   हनुमान ने स्वयं से कहा।

ii. “तुम्हें डरने की आवश्यकता नहीं है, सुमुखी!”
   रावण ने सीता से कहा।

iii. “सोच लो, तुम्हारे पास अब केवल दो महीने बचे हैं।”
   रावण ने सीता से कहा।

Aakash Institute

iv. “ऐसा कभी नहीं होगा, दुष्ट! राम के सामने तुम्हारा अस्तित्व ही क्या है?”
सीता ने रावण से कहा।

v. “तुम्हें कोई नहीं बचा सकता मूर्ख राक्षस! तुम्हारा अंत निकट है।”
सीता ने रावण से कहा।

vi. “तुम मूर्ख हो रावण का प्रस्ताव अस्वीकार कर रही हो यह रावण की नगरी है।”
राक्षसियों ने सीता से कहा।

vii. “हे माता! मैं राम का दास हूँ। किष्किंधा के वानरराज सुग्रीव का अनुचर।”
हनुमान ने सीता से कहा।

viii. “यह उचित नहीं होगा, पुत्र! पकडे गए तो मेरा संदेश भी राम तक नहीं पहुंचेगा।”
सीता ने हनुमान से कहा।

प्रश्न- किसे इंद्रजित कहकर पुकारा जाता था और क्यों?

उत्तर- मेघनाद को इंद्रजित कहकर इसलिए पुकारा जाता था क्योंकि वह एक बार इंद्र को परास्त कर चुका था।

प्रश्न- सीता ने हनुमान को क्या दिया?

उत्तर- सीता ने हनुमान को अपना एक आभूषण दिया।

प्रश्न- रावण के पुत्र अक्षकुमार की मृत्यु कैसे हुई?

उत्तर - रावण के पुत्र अक्षकुमार की मृत्यु हनुमान से लड़ते हुए हुई।

प्रश्न- हनुमान ने लंका में उत्पात क्यों मचाया?

Aakash Institute

उत्तर - हनुमान रावण के दर्शन करना चाहते थे इसलिए उन्होंने उत्पात मचाया।

प्रश्न- हनुमान की पूँछ में आग लगा देने का आदेश किसने दिया?

उत्तर - हनुमान की पूँछ में आग लगा देने का आदेश रावण ने दिया।

प्रश्न-: किसने किससे कहा?

i. "उस वानर को मेरे सामने उपस्थित करो । उसने जघन्य अपराध किया है ।"
रावण ने मेघनाद से कहा।

ii. "निराश न हों, माते! श्रीराम दो माह में यहाँ अवश्य पहुँच जाएँगे।"
हनुमान ने सीता से कहा।

iii. "आप नीतिवान हैं, राजन! निति के अनुसार दूत का वध अनुचित है।"
विभीषण ने रावण से कहा।

प्रश्न- हनुमान अशोक वाटिका की ओर क्यों भागे?

उत्तर- हनुमान को सीता की चिंता थी। उन्हें डर था कि कहीं आग उन तक न पहुँच गई हो इसलिए हनुमान अशोक वाटिका की ओर भागे।

प्रश्न- प्रतीक्षा कर रहे अंगद, जामवंत और अन्य वानरों ने हनुमान को क्यों घेर लिया?

उत्तर- प्रतीक्षा कर रहे अंगद, जामवंत और अन्य वानरों ने हनुमान को इसलिए घेर लिया क्योंकि सभी सीता जी का हाल जानना चाहते थे।

प्रश्न- सीता के बारे में जानकर वानरों की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर - सीता का हाल जानकर प्रसन्नता में वानरों ने मार्ग में खूब उत्पात मचाया ।

प्रश्न- इस बार सेना को अलग - अलग टोलियों में बाँटने की आवश्यकता क्यों नहीं थी?

Aakash Institute

उत्तर - इस बार सेना को अलग - अलग टोलियों में बाँटने की आवश्यकता इसलिए नहीं थी क्योंकि इस बार अलग दिशाओं में नहीं जाना था । सबका लक्ष्य एक था और दिशा एक थी, दक्षिण।

प्रश्न-: किसने किससे कहा?

“मैंने उनसे भेंट की । वे व्याकुल हैं । चिंतित हैं । हर समय राक्षसों से घिरी रहती हैं।”

हनुमान ने राम से कहा।

Aakash Institute